

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपलब्ह (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित के PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 232]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, मई 23, 1974/जेवेच्ठ 2, 1896

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 23, 1974/JYAISTHA 2, 1896

इस भाग में भिण्न पृद्ध संत्या दी जाती ई-जिससे कि यह अलग संकलन के क्य में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 23rd May 1974

S.O. 316(E).—Whereas in the opinion of the Central Government, it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in any of the Railway Services in India would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said Railway Services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, any strike in connection with any industrial dispute in the Railway Services in India for a period of six months with effect from the 26th May, 1974.

[No. F. S.42025/12/74-LRI]

N. P. DUBE, Addl. Secy.

धम मन्त्रालय

श्रादेश

नई दिल्ली, 23 मई, 1974

का० ग्रा० 316(श).—याः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के िए श्राहण्यक प्रदाय और नेपाय नाये रखने के लिये ऐसा करना श्रावण्यक ग्रीर ममीबीन

श्रीर यतः भारत में किसी भी रेलवे सेवा में कोई हड़ताल समुदाय के लिए मावश्यक प्रदाय भीर सेवाम्रों को बताये रखने के लिए प्रतिकृत प्रभाव डालेगी, इसलिये उक्त रेल सेवाश्रों में हड़तालों को रोकना आवश्यक भीर समीबीत है ;

श्रत:, श्रव, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदुवारा रेलवे सेवायों में किसी भी श्रीबोगिक विवाद से सम्बन्धित हड़ताल को छ: माह के लिए 26 मई, 1974 से प्रतिषिक करती है।

> [सं • फा • एस-42025/12/74-एल • স্বাर •-I] नि० प० दुवे, ग्रपर सचिव।